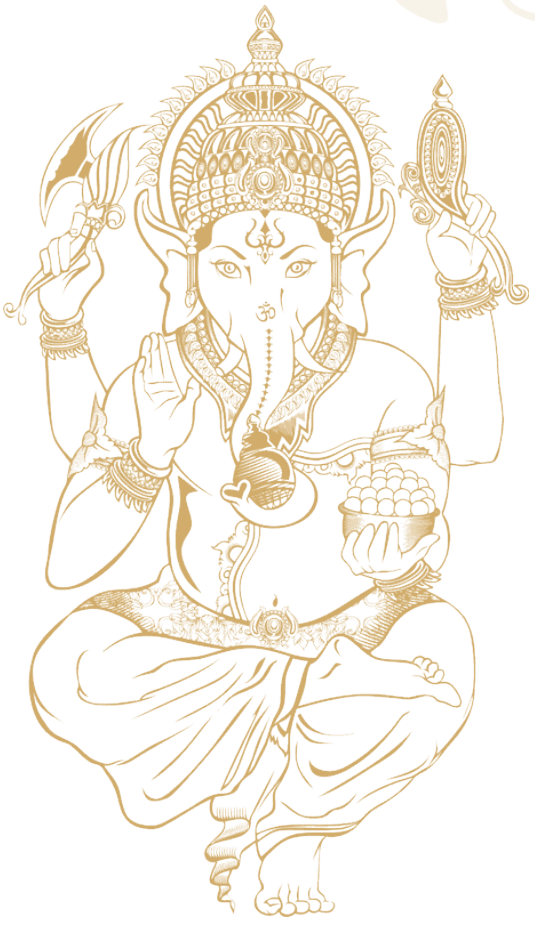

Mr. Shriyank

Ms. Bhumika dubey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119489502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	08/06/1998
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	13:31:10 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	20:26:46 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Narsinghpur
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	22:58:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	79:15:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:13:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	05:27:05
18:20:20	सूर्यास्त	18:57:00
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	कन्या	11:43:58	गुरु 1वर्ष 2मा 27दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	वृष	23:30:38	बुध
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	वृश्चि	02:17:52	05/09/2018
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	वृष	16:52:43	05/09/2035
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	वृष	21:04:48	बुध 31/01/2021
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	मीन	01:47:05	केतु 29/01/2022
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	मेष	17:05:11	शुक्र 28/11/2024
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	मेष	06:04:34	सूर्य 05/10/2025
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	सिंह	11:02:50	चन्द्र 06/03/2027
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	कुंभ	11:02:50	मंगल 03/03/2028
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष व	मक	18:43:15	राहु 20/09/2030
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप व	मक	08:01:01	गुरु 26/12/2032
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	12:33:37	शनि 05/09/2035

लग्न-चलित

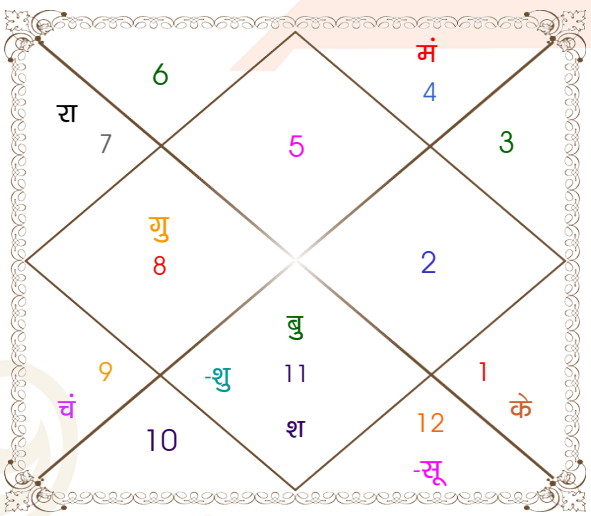

लग्न-चलित

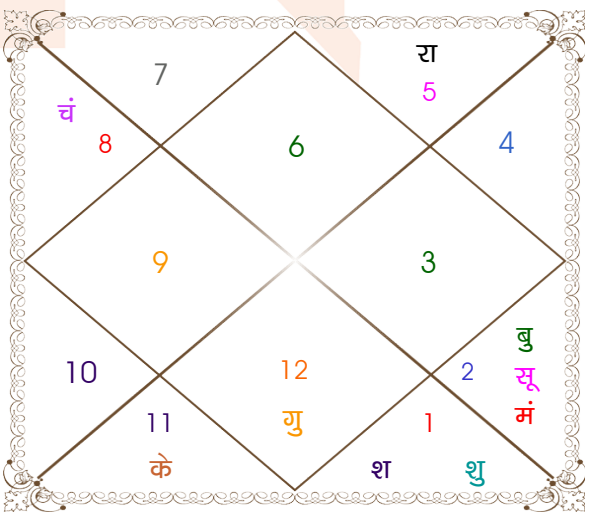

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण ठीनउपां कनइमल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डेण ठीनउपां कनइमल का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ठीनउपां कनइमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण् ठीनउपां कनइमल कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैतपलंदा तथा डेण् ठीनउपां कनइमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।